अंदर के पेजों पर पढ़ें
2 जिम्मेदारी निभाए संसद ...
6 केएल राहुल ने बनाया था खास प्लान......
7 शिवराज को नड्डा ने बुलाया, नई जिम्मेदारी संभव-...

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 10 अंक-47 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 19 दिसम्बर से 25 दिसम्बर 2023 पृष्ठ-8 मूल्य -2

मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुरू किया

'डोनेट फॉर देश' कैंपेन

क्यों लोगों से चंदा मांगने निकली कांग्रेस ? जानिए 100 साल पुराने अभियान से क्या है कनेक्शन

कांग्रेस ने कहा है कि उनका डोनेट फॉर देश अभियान महात्मा गांधी के ऐतिहासिक तिलक स्वराज कोष से प्रेरित है।

लोकसभा चुनाव-2024 से पहले देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने चंदा जुटाने के लिए 100 साल पुराने अभियान को याद किया है। कांग्रेस ने धन जुटाने के लिए सोमवार (18 द?संबर, 2023) को 'डोनेट फॉर देश' नाम से ऑनलाइन क्राउडफंडिंग अभियान शुरू किया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को दिल्ली में ऑनलाइन क्राउडफंडिंग अभियान शुरुआत करते हुए कहा, Donate for Desh अभियान, हाशिए पर रहने वाले समुदायों के अधिकारों को बनाए रखने, असमानताओं को पाटने और गिने-चुने पूंजीवाद लोगों का पक्ष लेने वाली, तानाशाही सरकार के खिलाफ एक मजबूत विपक्ष बनने की प्रतिबद्धता है। यह पहल 1920-21 में महात्मा गांधी जी के ऐतिहासिक 'तिलक स्वराज कोष' से प्रेरित है। भारतीय संविधान के मूल्यों को सुरक्षित रखने एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 138 वर्ष पुराने गौरवशाली इतिहास को संजोए रखने का ये देशव्यापी आंदोलन है।

भाजपा की संपत्ति कांग्रेस से आठ गुना ज्यादा

बता दें पार्टी पिछले कुछ महीनों में कर्नाटक और तेलंगाना में विधानसभा चुनाव जीती है और अब 2024 की तैयारी में जुट गई है। फंडिंग के मामले में कांग्रेस अपनी प्रतिद्वंदी भाजपा के आगे कहीं नहीं टिक रही है। भाजपा की संपत्ति कांग्रेस से आठ गुना ज्यादा है। वहीं सभी राष्ट्रीय पार्टियों से दो गुना ज्यादा है।

चुनावी बॉन्ड का 57 प्रतिशत पैसा (5,271.97 करोड़) भाजपा के हिस्से

राजनीतिक दलों ने साल 2017 से इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम के जरिए चंदा लेना शुरू किया था। तब से 2022 तक इस स्कीम के तहत जितना चंदा दिया गया है कि उसका 57 प्रतिशत भाजपा को मिला है और सिर्फ 10 प्रतिशत कांग्रेस के हिस्से गया है। 2017 से 2022 के बीच कुल 9,208.23 करोड़ रुपये के चुनावी बॉन्ड बिके, जिसमें से 5,271.97 करोड़ रुपये के बॉन्ड भाजपा और 952.29 करोड़ के बॉन्ड कांग्रेस को मिले।

क्या है कांग्रेस का प्लान?

कांग्रेस पार्टी ने 18 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों से न्यूनतम 138 रुपये या 1380 रुपये या 13,800 रुपयेज इसी तरह के गुणकों में दान मांगा है। पार्टी ने अपने सभी पदाधिकारियों और सदस्यों को कम से कम 1380 रुपए का योगदान देने को कहा। पार्टी का दावा है कि यह भारत में किसी भी पार्टी द्वारा किया गया 'सबसे बड़ा क्राउडफंडिंग' अभियान होगा। यह ऑनलाइन अभियान पार्टी के 138वें स्थापना दिवस (28 दिसंबर) तक जारी रहेगा।

अब तक 92 सांसद निलंबित, राज्यसभा में 45 और लोकसभा में 33 को किया गया सस्पेंड

लोकसभा से पहले 13 और आज 33 सांसदों को सस्पेंड किया गया है वहीं राज्यसभा से आज 34 सांसदों को सस्पेंड कर दिया गया है।

संसद की सुरक्षा में चूक मामले को लेकर संसद के दोनों सदनों में हंगामा कर रहे सांसदों के निलंबन का मामला सामने आया है। लोकसभा से पहले 14 और आज 33 सांसदों को सस्पेंड किया गया है वहीं राज्यसभा से आज 45 सांसदों को सस्पेंड कर दिया गया है। आज सुबह से दोनों सदनों से कुल 67 सांसद सस्पेंड कर दिए गए हैं। आज दोनों सदनों से सस्पेंड किए गए सांसदों में कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी, डीएमके के टीआर बालू और दयानिधि मारन और टीएमसी के सौगत रॉय का भी नाम शामिल है।

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सुरक्षा उल्लंघन के मुद्दे पर संसद में बोलने का आग्रह किया। इस दौरान सदन में काफी हंगामा भी देखा गया। अधीर रंजन चौधरी ने रविवार को स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर सदन के 13 विपक्षी सदस्यों का निलंबन रद्द करने का आग्रह किया था।

6 राज्य, 50 टीमें, सीनियर अधिकारीज संसद की सुरक्षा में चूक को लेकर एक्शन में दिल्ली पुलिस

इस मामले में गिरफ्तारियों का सिलसिला भी जारी है और अब तक 9 लोगों को पुलिस ने अपनी गिरफ्त में ले लिया है।

संसद की सुरक्षा में चूक के मुद्दे को लेकर गर्माहाट फिलहाल कम नहीं हुई है। एक तरफ विपक्षी सांसद निलंबन के बाद संसद के बाहर धरना दे रहे हैं तो दूसरी तरफ खूफिया एजेंसियां मामले की तहकीकात में जुटी हुई है। लगातार गिरफ्तारियों का सिलसिला भी जारी है और अब तक 9 लोगों को पुलिस ने अपनी गिरफ्त में ले लिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में सागर शर्मा, मनोरंजन डी, कैलाश, महेश, ललित झा, नीलम आजाद,अमोल, विक्की और उसकी पत्नी शामिल है। इस मामले लेकर अब तक दिल्ली पुलिस ने अपनी 50 टीमों को तैनात कर दिया है और मुस्तैदी के साथ मामले की जांच चल रही है। देशभर में अलग-अलग जगह पर इस मामले को लेकर छानबीन जारी है। खबरें ऐसी भी हैं कि दिल्ली पुलिस संसद परिसर में घुसने वाले इन आरोपियों की लिंक खोजने का प्रयास कर रही है। इस मामले की जांच अब तक देश के 6 राज्यों में पहुंच चुकी है।

इस मामले को लेकर दिल्ली पुलिस ने अपनी 50 टीमें बनाई हैं। हर टीम एक अलग काम देख रही है। कुछ के पास आरोपियों के बैकग्राउंड और लिंक्स जोड़ने का काम है वहीं कुछ उनके घर पर छापेमारी कर रही हैं।

विपक्षी सांसद क्या कह रहे हैं?

विपक्षी सांसद इस मामले पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बयान लेने की अपनी मांग पर अड़े हुए हैं। वह चाहते हैं कि गृहमंत्री संसद में आकर इस मामले पर बयान दें। इस दौरान शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि अमित शाह को संसद में आना चाहिए और बताना चाहिए देश की सबसे सुरक्षित इमारत में सुरक्षा चूक कैसे हो गई?

संपादकीय

जिम्मेदारी निभाए संसद

दिल्ली में संसद में हुई सुरक्षा चूक पर पक्ष-विपक्ष का जो रुख देखने को मिल रहा है, वह निराश करने वाला है। संसद में इस मसले पर चर्चा नहीं हो रही है। देश के सामने पूरी स्थिति रखने में भी सामंजस्य दिखा। विपक्षी सांसदों को पकड़कर सुरक्षाकर्मियों के हवाले करने में विपक्षी सांसद आगे रहे। संसद के अंदर स्वस्थ चर्चा सुनिश्चित करनी चाहिए। संसद में शीतकालीन सत्र के दौरान 13 दिसंबर को हुई सुरक्षा चूक पर पक्ष-विपक्ष का जो रुख देखने को मिल रहा है, वह निराश करने वाला है। हालांकि इस बात को लेकर हर पक्ष में सहमति है कि जिस तरह की चूक हुई है वह काफी गंभीर है लेकिन इसके बावजूद देश की संसद इस मसले से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा नहीं कर पा रही।

संपादक-
गोपाल गावंडे

दिखा सामंजस्य

जब दर्शक दीर्घा से दो युवक सदन में कूदे और उन्होंने धुआं फैलाकर वहां अफरा तफरी मचा दी, उस समय सदन में पक्ष-विपक्ष का कोई भेद नहीं दिखा। न सिर्फ दोनों युवकों को पकड़कर सुरक्षाकर्मियों के हवाले करने में विपक्षी सांसद आगे रहे, बल्कि घटना के बाद उसका ब्योरा देने और मीडिया के जरिए देश के सामने पूरी स्थिति रखने में भी दोनों पक्षों में सामंजस्य दिखा। इससे यह उम्मीद पैदा हुई कि हमारी संसद इस महत्वपूर्ण घटना से निपटने में पूरी एकजुटता दिखाएगी और सामान्य राजनीतिक मतभेदों को मुद्दा नहीं बनने दिया जाएगा।

बदल गया सीन

मगर शाम होते-होते यह स्थिति बदल गई। पार्टी लाइन के हिसाब से रिएक्शन आने लगे। मुद्दा संसद की सुरक्षा में हुई चूक का था, लेकिन कई विपक्षी सांसद इसे नए संसद भवन से जोड़कर देखने लगे और पुराने आरोप-प्रत्यारोप दोहराए जाने लगे।

हंगामा और कार्रवाई

यह सिलसिला अगले दिन और तेज हुआ जब विपक्ष गृहमंत्री के बयान की मांग पर अड़ते हुए हंगामे पर उतर आया। सत्तापक्ष की ओर से भी इसका जवाब कड़ी कार्रवाई के रूप में दिया गया। हालांकि कहने को बातचीत के प्रस्ताव भी दिए गए और मनाने की कोशिशें भी हुईं, लेकिन ये बेनतीजा रहीं। नतीजा विपक्ष के 14 सांसदों के निलंबन के रूप में सामने आया।

संसद का मौन

कुल मिलाकर हालत यह बनी है कि संसद में हंगामा और शोर तो बहुत है, लेकिन इस अहम मसले पर उसके सामूहिक विवेक की कोई ऐसी आवाज नहीं आ रही जो देशवासियों के अलग-अलग हिस्सों में उभरते असमंजस को दूर कर सकती थी।

नाजुक पल

समझना होगा कि भारतीय लोकतंत्र के लिए ये बड़े नाजुक पल हैं। घटना ऐसे समय हुई है जब विदेशी जमीन पर सक्रिय आतंकवादी तत्वों की ओर से संसद पर हमले की चेतावनी दे दी गई थी। भले संसद में घुसे इन युवकों का पहली नजर में उन तत्वों से कोई रिश्ता न दिख रहा हो, पर जांच एजेंसियों की ओर से अभी उन्हें क्लीन चिट नहीं मिली है। ऐसे में पक्ष-विपक्ष का एक-दूसरे पर दोषारोपण करना बेमानी है। दोनों ही पक्षों को संकीर्ण राजनीति के तकाजों से ऊपर उठते हुए संसद के अंदर स्वस्थ चर्चा सुनिश्चित करनी चाहिए।

राजनीति

बीजेपी ने फूंका लोकसभा चुनाव का बिगुल, दिल्ली में पार्टी ने किया सातों सीटें जीतने का दावा

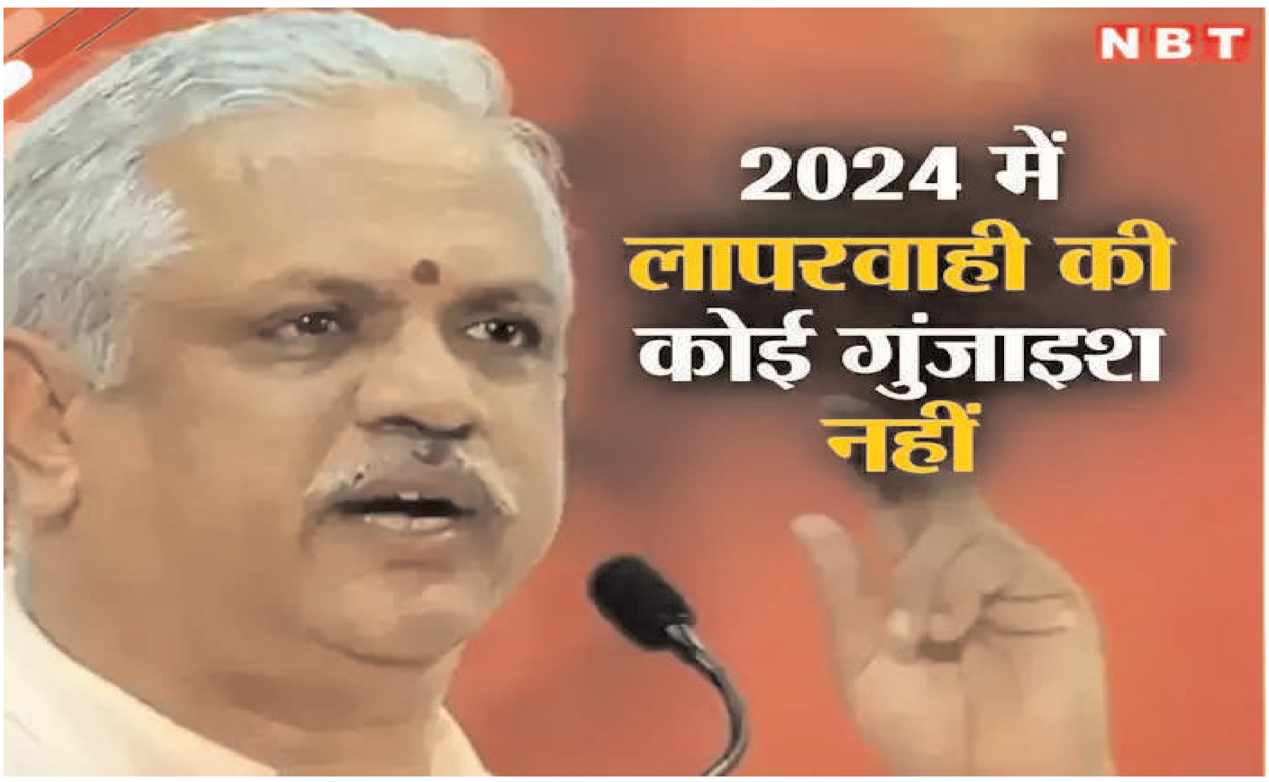

लोकसभा चुनाव के लिए दिल्ली बीजेपी ने तैयारियां शुरू कर दी है। हाल ही में पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी. एल. संतोष ने एक बड़ी बैठक भी की। जिसमें आने वाले चुनावों को लेकर चर्चा हुई। बी.एल.संतोष ने कहा कि इस बार लोकसभा चुनाव में किसी भी गलती की कोई गुंजाइश नहीं है। नई दिल्ली- आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर रविवार को दिल्ली बीजेपी की एक बड़ी संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई, जिसे पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी. एल. संतोष ने संबोधित किया। पार्टी नेताओं ने एक बार फिर दिल्ली की सातों लोकसभा सीटें जीतने का दावा तो किया, लेकिन साथ ही कार्यकर्ताओं को यह नसीहत भी दी कि यह सोचकर वे निश्चिंत ना हों और अपनी तैयारियों में कोई कोर कसर ना छोड़ें। बैठक में पार्टी के आगामी कार्यक्रमों पर भी चर्चा हुई। बैठक को दिल्ली प्रदेश प्रभारी बैजयंत जय पांडा, प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और प्रदेश संगठन महामंत्री पवन राणा समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं ने संबोधित किया। आमंत्रित वरिष्ठ नेताओं के अलावा पार्टी के प्रदेश, जिला और मंडल स्तर के पदाधिकारी, सांसद, विधायक और पार्षद भी मौजूद रहे।

2024 में लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं

बी.एल. संतोष ने कहा कि 2019 की तुलना में 2024 का लोकसभा चुनाव आसान है, लेकिन इसमें लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं है। आज हमारे सामने केवल राजनीतिक दलों की ही नहीं, बल्कि उन वैचारिक शक्तियों की भी चुनौतियां हैं, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हराने के लिए विपक्षी पार्टियों को मदद कर रही हैं। हमें उन शक्तियों पर भी विजय हासिल करनी है। विकसित भारत अभियान और बूथ सशक्तिकरण अभियान को सफल बनाने के लिए भी हमें पूरी मेहनत करनी है और दिल्ली के सभी 13,000 से अधिक बूथों की संगठनात्मक भागीदारी सुनिश्चित करनी है।

उन्होंने मोदी सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियानों और कार्यक्रमों की सफलता का जिक्र करते हुए कहा कि जिन कार्यकर्ताओं के संपर्क में अगर कोई स्कूल हो, तो वीर बलिदान दिवस के दिन उन स्कूलों में किसी कार्यक्रम का आयोजन करें। पिछले 70 सालों से हम सिर्फ चिल्ड्रंस डे मना रहे हैं, लेकिन बच्चों ने हमारे सामने क्या आदर्श प्रस्तुत किया है, इसकी जानकारी आज तक किसी ने नहीं दी। उन्होंने 22 जनवरी को राम मंदिर के उद्घाटन वाले दिन सभी से अपने घरों को दीयों से सजाने और परिवार सहित किसी मंदिर में जाकर दर्शन करने और दीये जलाने की अपील की।

बीजेपी के लिए सकारात्मक माहौल

बैजयंत पांडा ने कहा कि राज्यों से हाल ही में आए चुनावी परिणामों ने माहौल को सकारात्मक बना दिया है, इसलिए हमारे अंदर कोई संदेह नहीं होना चाहिए। राष्ट्रीय नेतृत्व की रणनीति और कार्यकर्ताओं के बल पर हम इस बार भी दिल्ली की सभी सातों सीटें जीत रहे हैं। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि जो लक्ष्य हमारे सामने है और जो काम राष्ट्रीय नेतृत्व ने हमारे जिम्मे लगाया है, अगर हमने उसे पूरा कर लिया, तो हमें कोई भी दिल्ली की सातों सीटें जीतने से नहीं रोक सकता।

किसान को कुल्हाड़ी मारी

इन्दौर । चंद्रावतीगंज में रहने वाले किसान जगदीश पिता राधेश्याम मौर्य 45 साल को खेत पर ट्रैक्टर खड़ा करने की बात को लेकर लक्ष्मण पिता राम नारायण ने कुल्हाड़ी मार दी जिसमें वह घायल हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

कार से लैपटॉप चुराया

इन्दौर । मंगेश पिता मोहनलाल त्रिवेदी निवासी सिलिकॉन सिटी की कार्य का कांच फोड़कर अज्ञात व्यक्ति लैपटॉप चुराकर ले गया। फरियादी मंगेश त्रिवेदी के मुताबिक वह परसपर नगर में रहने वाले बड़े भाई से मिलने गया था तभी यह घटना हुई। पुलिस ने चोरी का केस दर्ज किया।

दो लोगों को धमकाया

इन्दौर । उषा पति दिनेश साहू निवासी गोविंद नगर खर्चा के घर में घुसकर संगीता पति विनोद वर्मा ने मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इसी प्रकार फरियाद अभय जैन निवासी कलानी नगर के साथ मनोज यादव ने मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। दोनों मामलों में पुलिस ने प्रकरण दजी किया।

हथियार सहित चार बंदी

इन्दौर । राजेंद्र नगर पुलिस न शुभम पिता हेमंत वर्मा से तलवार और कैलाश पिता अनिल मालवी से चाकू बरामद किया। इसी प्रकार अन्नपूर्णा पुलिस ने सुरेश सोलंकी से गोपी और राजेश कोहली से तलवार बरामद की है। सभी के खिलाफ धारा 25 आर्म्स एक्ट का केस दर्ज किया है।

किशोरी से की हरकत

इन्दौर । स्कीम नंबर 78 में रहने वाली किशोरी ने पुलिस को बताया कि किराने का सामान लेने जा रही थी तभी रास्ते में अजय पिता जानकीलाल सोनी ने रोका और छेड़छाड़ की शोर मचाया तो धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

टक्कर से चाचा भतीजे घायल

इन्दौर । नौलखा चौराहे पर एक्टिवा सवार राजेंद्र पिता बाबूलाल चौहान निवासी जूनी इंदौर और भतीजा राहुल को कार ने टक्कर मार दी। जिसमें दोनों घायल हो गए। केस दर्ज किया है।

गांजा पीते चार बंदी

इन्दौर । द्वारकापुरी पुलिस ने गांजा पीते हुए राकेश पिता मुन्नालाल भारत पिता राम प्रसाद नितिन पिता कन्हैया लाल और साहिल पिता मुकेश को गिरफ्तार किया है। इनके पास से गांजे की पुड़िया बरामद की है। सभी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

गवाह को चाकू मारा

इन्दौर । फरियादी विनोद पिता घनश्याम गोस्वामी निवासी प्रजापत नगर को गवाही देने के मामले में प्रकाश मालवीय ने चाकू मार दिया जिसमें वह घायल हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

झगड़ा करते पांच बंदी

इन्दौर । पुलिस अन्नपूर्णा ने बीच रोड पर हंगामा करते हुए अजय पिता पन्नालाल कमलेश पिता रमेश यशवंत पिता जगदीश और दो अन्य को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी आपस में झगड़ा कर शांति भंग कर रहे थे। इनके खिलाफ धारा 160 के तहत केस दर्ज किया है।

किशोर का अपहरण

इन्दौर । फरियादी सुनील पिता बाल कृष्णा सिसोदिया निवासी स्कीम नंबर 51 ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसका 14 वर्षीय बेटा सार्थक को अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर ले गया। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज किया।

घायल अधेड़ की मौत

इन्दौर । गोवर्धन पिता उमाशंकर परमार 57 साल निवासी आवास कॉलोनी बेटमा की उपचार के दौरान बड़े अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक गोवर्धन 5 दिन पहले सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया था। पुलिस मर्ग कार्यक्रम मामले की जांच कर रही है।

दहेज के लिए मारपीट

इन्दौर । फरियादी दीपिका मिश्रा 30 साल निवासी उषा नगर की रिपोर्ट पर पति सुशील मिश्रा सास शोभा मिश्रा ससुर हरिशचंद्र मिश्रा आदि के खिलाफ केस दर्ज किया है। फरियादी को मायके से 5 लख रुपए नहीं लाने पर मारपीट की और घर से निकाल दिया।

बाइक चोर पकड़ा

इन्दौर । फरियादी नरेंद्र पिता बाबूलाल तिवारी निवासी अमितेश कॉलोनी की मोटरसाइकिल चुरा कर ले जाते हुए कमलेश पिता मदनलाल सूर्यवंशी को रंगे हाथों पकड़ा और पुलिस के हवाले किया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

नशे के लिए बदमाश ने युवक को मारे चाकू, प्रकरण दर्ज

इंदौर शहर पुलिस की निष्क्रियता के चलते गुंडे लगातार नशे के लिए चाकू बाजी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। चंदन नगर थाना क्षेत्र में नशे के लिए गुंडे ने युवक पर चाकू से हमला किया और फरार हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी शाहरुख खान निवासी गीता नगर की रिपोर्ट पर मोहम्मद अयान खान के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। फरियादी मोहम्मद शाहरुख ने पुलिस को बताया कि वह छोटी पुलिया चंदननगर से पैदल पैदल घर जा रहा था तभी आरोपी मोहम्मद अयान खान ने रोका जो पहले से ही नशे में था ने शराब पीने के लिए 500 रुपए मांगे नहीं दिए तो उसे पर चाकू से हमला किया और धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्जी किया है। इसी प्रकार फरियादी संतोष पिता केदार राठौर निवासी अहिर खेड़ी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि रात्रि 9ः50 बजे वह खाना खाने के बाद घर के पास टहल रहा था तभी आरोपी सुरेश मालवीय ने रोका और गांजा पीने के लिए 100 रुपए मांगे नहीं दिए तो चाकू मारकर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया। वही स्कीम नंबर 78 में रहने वाले योगेश पिता रामचंद्र सिसोदिया को पैसे के लेनदेन की बात को लेकर धर्मेंद्र चौहान ने चाकू मार दिया जिसमें वह घायल हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया।

छात्रों को गांजा बेचते थे, तीन तस्कर गिरफ्तार

इंदौर । लसूडिया पुलिस ने तीन ऐसी तस्करों को गिरफ्तार किया है जो छात्रों को गंजा बेचते थे। आरोपियों ने कबूल किया कि वह पिछले 6 महीने से गांजा बेच रहे हैं।

पुलिस कमिश्नर ने मादक पदार्थ खरीदने और बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश पुलिस को दिए हैं। टी आई तरेश कुमार सोनी को मुखबिर से सूचना मिली कि स्कीम नंबर 78 में स्कूल के पास तीन संदिग्ध युवक खड़े हुए हैं। सोनी के निर्देश पर पुलिस ने घेराबंदी कर तीनों युवकों को पकड़ा और तलाशी ली तो इनके पास से 4 किलो से अधिक गांजा मिला है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों के नाम रवी दहिया निवासी धार अर्जुन राठौर निवासी रतलाम और यश सोलंकी निवासी उज्जैन है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह प्रेस्टीज कॉलेज के आसपास और हॉस्टल में छात्रों को गांजा बेचते थे। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है की गांजा कहां से लाए थे। तीनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। इसी प्रकार सांवर पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान मोटरसाइकिल सवार रूपसिंह पिता छगनलाल वर्मा और नरेश पिता मूलचंद चौहान को पकड़ा इनके पास से 730 ग्राम गांजा बरामद किया। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

कृषि भूमि के नाम पर सवा करोड़ की धोखाधड़ी

5 महिलाओं सहित 10 पर केस दर्ज

इंदौर । इंदौर की एक युवक की रिपोर्ट पर सिमरोल पुलिस ने 10 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। आरोपियों ने युवक से कृषि भूमि का सौदा किया और सवा करोड रुपए ले लिए मगर रजिस्ट्री नहीं की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी महेंद्र प्रताप घनश्याम पाटीदार 45 साल निवासी श्री यंत्र नगर खंडवा रोड इंदौर की रिपोर्ट पर रेशम बाई कृष्ण कृष्णा देवी संगीता बाई पूजा पति मुकेश नेहा सपना पति नानूराम और राजमल अंकित पिता मुकेश महेश पिता अंबाराम और इसका भाई दिनेश के खिलाफ धारा 420 सही करने धाराओं में केस दर्ज किया है।

फरियादी महेंद्र पाटीदार ने पुलिस को बताया कि उसने 15 जुलाई 2022 को आरोपियों से सिमरोल रोड स्थित नया गांव में चार एकड़ जमीन का सौदा किया था और बदले में नगद चेक आईटीजीएस के माध्यम से एक करोड़ 14 लाख 50 हजार रुपए दे दिए मगर आज तक आरोपियों ने जमीन का सीमांकन आदि और रजिस्ट्री नहीं की।

करंट लगने से निजी कर्मचारी की मौत

कई फीट की ऊंचाई से गिरा था कर्मचारी इंदौर 18 दिसंबर किशनगंज थाना क्षेत्र में बिजली कंपनी में निजी ठेकेदार के अंडर में काम करने वाले कर्मचारी की लाइन सुधारते समय अचानक करंट लगने से मौत हो गई। बताया जाता है की करंट लगने के चलते कई फीट ऊंचाई से वह गिर गया था।

किशनगंज पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार घटना फटा फटा अब रोड की है। वहां विकास पिता गुलाब सिंह कुशवाहा 30 साल निवासी गणेश चौक रविवार को लाइन सुधारने का काम कर रहा था तभी अचानक 20 फीट से अधिक की ऊंचाई से नीचे आ गिरा। उसे साथी कर्मचारी पास के ही निजी अस्पताल ले गए यहां से डॉक्टर ने उसे बड़े अस्पताल भेजा जहां इलाज के दौरान शाम को विकास की मौत हो गई। परिवार ने बताया कि एमपीईबी में निजी ठेकेदार के अंदर में विकास काम करता है वह बिजली जाने के चलते लाइन सुधार रहा था अचानक एक लाइन में करंट रहने के चलते हाथ लगाते ही झटके के साथ वह नीचे आ गिरा। परिवार के मुताबिक विकास कुशवाहा की शादी नहीं हुई है वह मूल रूप से खरगोन का रहने वाला है यहां किराए के घर में रहता है। उसके पिता की कुछ समय पहले मौत हो चुकी है। परिवार में एक बड़ा भाई है जो खरगोन में ही मन और परिवार के साथ रहता है।

हजारों का जुआ पकड़ा, आरोपियों को किया गिरफ्तार

इंदौर । बेटमा पुलिस ने हुए के अड्डे पर छापा मार कर आरोपियों से 35 हजार रुपए जप्त किए हैं। इसी प्रकार अन्य स्थानों पर जुआ खेलते आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बेटमा थाने के सहायक उप निरीक्षक कमल दीक्षित के नेतृत्व में पुलिस ने कमल विहार कॉलोनी स्थित पानी की टंकी के पास चल रहे जुआ के अड्डे पर छापा मारा तो आरोपियों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने यहां से अर्जुन राहुल विकास संतोष कारण आदि को गिरफ्तार कर के पास से 35 हजार रुपए बरामद किए हैं। इसी प्रकार बाणगंगा थाने के सहायक उप निरीक्षा के अमर सिंह सोलंकी के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों ने भवानी नगर में जुआ खेलते हुए योगेश बघेल सीताराम जाटव राहुल वर्मा प्रियांशु यादव आदि को पकड़ा इनके पास से 1265 जप्त किए । एरोड्रम पुलिस ने 8 और राजेंद्र नगर पुलिस ने 7 आरोपियों को जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया। सभी के खिलाफ 13 जुआ एक्ट का केस दर्ज किया है।

जमीन को को लेकर युवक ने दी जान, तीन मामा पर केस दर्ज

इंदौर । करोड़ों रुपए की जमीन को लेकर युवक को इतना धमकाया कि उसने जहर खाकर जान दे दी। मामले में पुलिस ने तीन मामा के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। नितिन कश्यप और 40 साल निवासी बाणगंगा ने 5 दिसंबर को सल्फास की गोलियां खाकर आत्महत्या कर ली थी। जांच अधिकारी प्रधान आरक्षक शेषपाल सिंह के मुताबिक नितिन की मां रेशम देवी कश्यप ने पुश्तैनी जमीन जिसकी कीमत करोड़ों रुपए है के मामले में कोर्ट में कैसे लगा रखा है इसी बात को लेकर रेशमा देवी के भाई पन्नालाल कश्यप श्यामलाल कश्यप और अनिल कश्यप सभी निवासी लोटस पार्क कॉलोनी भांजे नितिन को आए दिन धमकाते थे कि कोर्ट से कैसे वापस ले ले उसने मना किया तो उसके साथ मारपीट करते थे इसी से परेशान होकर उसने सुसाइड कर लिया था। बाणगंगा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 306 का प्रकरण दर्ज किया है।

मैं अनंत की शक्ति हूं...

स्त्रहमें सरस्वती की भी आराधना करनी चाहिए। सरस्वती का कार्य बड़ा महान है। महा सरस्वती ने पहले सारा अंतरिक्ष बनाया। उसमें पृथ्वी तत्व विशेष है। पृथ्वी तत्व को इस तरह से सूर्य और चंद्रमा के बीच में लाकर खड़ा कर दिया कि वहां पर कोई सी भी जीवंत क्रिया आसानी से हो सकती है। इस जीवन प्रक्रिया से धीरे-धीरे मनुष्य भी उत्पन्न हुआ। परंतु हमें अपनी बहुत बड़ी शक्ति को जान लेना चाहिए। वह शक्ति है जिसे हम सृजन शक्ति कहते हैं वीटीवीटी क्रिएटिविटी कहते हैं। यह सृजन शक्ति सरस्वती का आशीर्वाद है जिसके द्वारा अनेक कलाएं उत्पन्न हुई। कला का प्रादुर्भाव सरस्वती के ही आशीर्वाद से है। हमारे बच्चे स्कूल में विद्यार्जन कर रहे हैं। पर हमें ध्यान रखना चाहिए कि बिना आत्मा को प्राप्त किए हम जो भी विद्या पा रहे हैं वह सारी अविद्या है। बिना आत्मसाक्षात्कार प्राप्त किए आप चाहे साइंस पढ़े या अर्थशास्त्र उसे ना तो आप पूरी तरह समझ सकते हैं और ना ही उसको अपनी सर्जन शक्ति में ला सकते हैं। बच्चे दो प्रकार के होते हैं एक तो पढ़ने के शौकीन होते हैं और दूसरे जिन्हें पढ़ने का शौक नहीं होता। कुछ बच्चों के पास कम बुद्धि होती है और कुछ के पास अधिक। बुद्धि भी सरस्वती की देन है लेकिन आत्मा से मनुष्य में सुबुद्धि आ जाती है। बुद्धि से पाया हुआ ज्ञान जब तक आप सुबुद्धि पर नहीं तोलिएगा तो वह ज्ञान हानिकारक हो जाता है। इसलिए बहुत से लोग सोचते हैं कि पढ़ने लिखने से बच्चे बेकार हो जाएंगे, सफेदपोश होकर फिर खेती नहीं करेंगें। बस अपने को कुछ विशेष समझ कर के और इसी बहकावे में रहेंगे। किंतु आत्मसाक्षात्कार को पाकर जो विद्यार्जन होता है उसमें बराबर नीर क्षीर विवेक आ जाता है। वह समझ लेते हैं कि कौन सी चीज अच्छी है और कौन सी बुरी है। कौन सी चीज सीखनी चाहिए और कौन सी चीज नहीं सीखनी चाहिए उससे पहले कोई मर्यादा नहीं होती। मनुष्य किसी भी रास्ते पर जा सकता है और किसी भी ओर मुड़ सकता है और कोई भी बुरे काम कर सकता है। आजकल आप जानते हैं कि छोटे बच्चों में बहुत सारी बुराइयां आने की संभावना है और बड़ों में तो हो ही रहा है की ड्रेस आ गए और दुनिया भर की गंदी बातें बच्चे सीख रहे हैं और परेशानी में फंस गए हैं। यह सब चीजों का इलाज एक ही तरीके से हो सकता है कि इनके अंदर आप आत्मा का साक्षात्कार करें आत्मा का साक्षात्कार मिलने से ही सरस्वती की भी चमक आपकी बुद्धि में आ जाती है और जो बच्चे पढ़ने लिखने में कमजोर होते हैं वो भी अच्छा कार्य करने लग जाते हैं। इसके बाद कला की उत्पत्ति होती है अगर आप कला के बगैर आत्मसाक्षात्कार को ही अपना ना चाहे तो वह कला अधूरी रह जाती है या वो बेमर्यादा कहीं ऐसी जगह टकराती है कि जहां उसकी कला का नामोनिशान नहीं रह जाता। तो पहले आत्म साक्षात्कार को प्राप्त करना ही सरस्वती का पूजन करना एक बड़ी शुभ बात है। हमें सरस्वती के प्रति उदासीन नहीं रहना चाहिए। मैं देखती हूं कि जहाँ जहाँ लोग खेती करते हैं वहां वहां धीरे-धीरे उनका संबंध प्रकृति से होता है और प्रकृति की जो खूबसूरती है उसे वह प्रकट करना चाहते हैं। जो कलाकार होता है वह भी प्रकृति की खूबसूरती को देखकर हुबहू उस तरह से ना बना उसमें अपनी भावना डालकर उसे एक नया रूप दे देता है। जब आप कला को पाने लग जाएंगे और जब आप कला की शुभ संवेदना समझ लेंगे तब आप कलात्मक चीजों की ही ओर रहेंगे। बहुत सी चीजें लोग बनाते हैं पर कुछ चीजें ऐसी बनती है जिसमें स्वयं चैतन्य बहता है। ऐसे तो पृथ्वी तत्व से ही बहुत से स्वयंभू निकल आए हैं लेकिन अगर आत्मसाक्षात्कारी मनुष्य कोई पुतला बनाता है या कोई कलात्मक चीज बनाता है तो उसमें से भी चेतन आने लग जाता है। सुंदर होने के साथ-साथ ऐसी कृती में एक तरह की अनंत शक्ति होती है। किसी साधारण कलाकार की बनाई कला शीघ्र समाप्त हो जाती है। उसके प्रति ना तो लोगों की आस्था होती है और ना ही कोई श्रद्धा लेकिन अगर कोई कलाकार आत्म साक्षात्कारी हो तो उसकी कला अनंत तक चलती है क्योंकि उसके अंदर अनंत की शक्ति निहित होती है क्योंकि उसने जो कुछ भी बनाया वह आत्मा की अनुभूति से बनाया है जो आत्मा को रुचिकर है जो आत्मा पसंद करें ऐसी चीज वह बनाता है।। कलात्मकता इस तरह से मनुष्य में बहुत सुंदरता से पनपती है और ऐसी कितनी भी कला की चीजें बनती हैं वो हमेशा के लिए संसार में मानी जाती हैं। आत्मसाक्षात्कारी व्यक्ति की कला अनंत की शक्ति से प्लावित होती है। तो आप लोग भी आत्मसाक्षात्कारी हो गए हैं। कला की ओर दृष्टि बढ़ाने से एक तो जीवन में सौंदर्य आ जाता है और जीवन का रहन सहन सुंदर हो जाता है। उसके लिए जरूरी नहीं कि आप बहुत रुपया पैसा खर्च करें। मिट्टी में भी कला भरी है। आप मिट्टी की भी कोई चीज बनाएं तो भी वह कलात्मक हो सकती है। हमारे ऊबड़ खबड़ जीवन में यदि थोड़ी सी कला की झलक आ जाए तो बड़ा ही सुख और आनंद मिलता है। इसलिए आप लोगों की दृष्टि अब कला की ओर जाए तो बड़ा अच्छा हो जाए सभी लोगों के लिए। हाथ से बनी हुई चीजों में चेतन ने बहता है। मशीनों का अत्यधिक प्रयोग करने से ही वातावरण दूषित हो गया है इसका इलाज ही यह है कि आप कलात्मक चीजों की ओर बढ़े जब लोग कलात्मक चीजों की ओर बढ़ेंगे तो एक तरह की श्रद्धा कला के प्रति हो जाएगी। सबसे बड़ी बात तो यह है कि हम हजारों चीजों को बेकार ही खरीदते हैं वह बंद हो जाएगी। हाथ से बनी चीजों के द्वारा अपने हृदय का आनंद हम दूसरों को समर्पित करते हैं। अब यह सोचना है कि किस तरह से यह सौंदर्य स्थापित हो। सबसे पहले सौंदर्य में हमेशा वैचित्र्य होना चाहिए, वैरायटी होना चाहिए। परमात्मा ने यदि सब की शक्ल एक सी बनाए होती तो कैसे लगते हम लोग? सभी लोग अलग-अलग प्रकार के कपड़े पहनते हैं। हमारे देश की सभी स्त्रियां अलग ढंग रंगों की साड़ियां पहनती हैं। यह वैचित्र्य केवल हमारे देश में ही मिलता है। विकसित देशों की औरतें तो गुलाम की तरह एक ही प्रकार के फैशन करती हैं। एक ही प्रकार के बाल बनवाते हैं। उसमें कोई फर्क ही नहीं प्रतीत होता। उनके अंदर जो आत्मा है वह दबी हुई है। उनमें ना वैंचित्र्य है और न ही सृजन शक्ति। अब कला का भी यही हाल हो गया है। विदेशों में अच्छी कलाकृतियां अधिक नहीं निकलती। जब कला पैसे पर उतर आती है तब उसकी आत्मा ही खत्म हो जाती है। कला आनंदमई होना चाहिए न कि उससे कितना पैसा मिले। जब आप की यह धारणा और लक्ष्य हो जाएगा तो स्वयं आत्मा ही आपको ऐसी प्रेरणा देगा कि आप ऐसी ऐसी सुंदर चीजें बनाएंगे जो भूतो ना भविष्यति पहले कभी बनी नहीं और ना बनेगी। एक से एक कलात्मक चीज लोग बनाएंगे और शांत प्रकृति गाँवो में के लोग इस प्रकार की रचना कर सकते हैं। शांतिमय ध्यानावस्था में रहे बिना कला सृजन अधूरा रह जाता है या मर्यादा विहीन। आपको कला का तंत्र तथा तकनीक मालूम होनी चाहिए। जब आपको आत्मसाक्षात्कार होता है तभी आपकी श्रजन कला बढ़ जाती है। जब आप पर सरस्वती जी की कृपा होती है तो आप कलाकार बन जाते हैं लेकिन आप आत्मसाक्षात्कारी कलाकार हो जाते हैं। जब आप आत्मसाक्षात्कारी कलाकार हो जाते हैं तब आपका सारा ही व्यक्तित्व बदल जाता है और जो भी सृजन आप करते हैं उसमें वह शक्ति जिसे मैं अनंत की शक्ति कहती हूँ। वह समाहित होती है और ऐसी बनाई हुई चीजें ऐसी क्रिया से जिसने कोई सा भी कार्य संपन्न किया हो, उसकी कीमत आंकी ही नहीं जा सकती और अनंत तक उसकी सौंदर्य शक्ति प्रदर्शित होती रहती है। सहजयोगियों के लिए बहुत जरूरी है कि वह कला में उतरे और कला को समझें।....

डायबिटीज मरीजों की लाल दवा है चुकंदर, इसे खाने से हमेशा हद में रहेगा Blood Sugar

चुकंदर में विटामिन, मिनरल्स, एंटीऑक्सिडेंट, नाइट्रेट और फाइबर ग्लाइसेमिक होते हैं। यह डायबिटीज के मरीजों के लिए उपयोगी है, चुकंदर रक्तचाप को कंट्रोल करता है, अक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन कम करता है, और आंखों के लिए भी फायदेमंद है। चुकंदर का सेवन बीपी की दवाएं लेने वालों और एलर्जी के मरीजों को सावधानीपूर्वक करना चाहिए।

सर्दियों के मौसम में कई सब्जियां मिलती हैं जिनमें एक चुकंदर है, जिसे बढ़िया रंग और स्वाद सहित विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सिडेंट जैसे गुणों की वजह से पहचाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि चुकंदर की सब्जी डायबिटीज के मरीजों के लिए वरदान है क्योंकि इसमें ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के सभी गुण होते हैं।

चुकंदर में नाइट्रेट होते हैं जो नाइट्रिक ऑक्साइड में बदल जाते हैं, जो रक्त वाहिका के विस्तार में मदद करते हैं और प्रेशर को कंट्रोल करते हैं, जो डायबिटीज वाले लोगों के लिए जरूरी है। अच्छी बात यह है चुकंदर का ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है और इसी वजह से यह ब्लड शुगर को मैनेज करना का काम करता है।

चुकंदर में मौजूद फाइबर ग्लाइसेमिक को कंट्रोल करते हैं और पाचन स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं। यह मैंगनीज का एक अच्छा स्रोत है, जो इंसुलिन के उत्पादन में शामिल है और ब्लड शुगर लेवल को मैनेज करने में मदद करता है।

शुगर का बढ़िया इलाज है चुकंदर

अध्ययनों से पता चलता है कि चुकंदर में मौजूद बायोएक्टिव यौगिक, जैसे बीटालेन्स और फेनोलिक यौगिक में एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। ये गुण ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन को कम करने में सहायता कर सकते हैं, जो अक्सर शुगर के मरीजों में बढ़ जाते हैं।

आंखों को नुकसान से बचाने में सहायक

चुकंदर का सेवन करने से डायबिटीज से पीड़ित लोग आंखों को होने वाले डैमेज को कम कर सकते हैं क्योंकि इसमें अल्फा-लिपोइक एसिड होता है आंखों को नुकसान से बचाने में सहायक है। चुकंदर आयरन का बढ़िया स्रोत ही और यह हीमोग्लोबिन लेवल को बढ़ाता है।

रोजाना कितनी मात्रा में करें चुकंदर का सेवन

अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं, तो आपको रोजाना आधे से एक कप कच्चे या सब्जी के रूप में चुकंदर का सेवन करना चाहिए। एक कप पके हुए चुकंदर में लगभग 15 ग्राम कार्बोहाइड्रेट होता है, जो ब्लड शुगर लेवल को अचानक बढ़ने से बचा सकता है।

किन लोगों को नहीं खाना चाहिए चुकंदर

गुर्दे की पथरी- चुकंदर में ऑक्सालेट्स की मात्रा अधिक होती है। यह ऐसे यौगिक हैं, जो किडनी की पथरी बना सकते हैं।

ओशो ने बताया किस तरह आदमी बेईमान शब्दों से चलाता है अपना काम

शब्द जीवन की सबसे बड़ी चीज होती है क्योंकि इन्हीं शब्दों से इंसान सफल बनता है और इनसे ही असफल बनता है। किस तरह इंसान शब्दों का जाल बुनता है और अपने कार्यों को पूरा करता है। ओशो ने शब्दों को लेकर कई तरह की बातें बताई हैं और यह भी बताया है कि बेईमान शब्दों से इंसान हर वक्त कार्य करता है।

वैराग्य का अर्थ, जहां न राग रह गया, न विराग रह गया। जहां न किसी चीज का आकर्षण है, न विकर्षण है। न किसी चीज के प्रति खिंचाव है, न विपरीत भागना है। जहां न किसी चीज का बुलावा है, न विरोध है। जहां व्यक्ति थिर हुआ, सम हुआ, जहां पक्ष और विपक्ष एक से हो गए, वहां वैराग्य फलित होता है। लेकिन इसे विराग या वैराग्य क्यों कहते हैं? जहां वैराग्य भी नहीं है, वहां वैराग्य क्यों कहते हैं? क्योंकि कोई उपाय नहीं है। शब्द की मजबूरी है, और कोई बात नहीं है। आदमी के पास सभी शब्द द्वंद्वात्मक हैं, डायलेक्टिकल हैं। आदमी की भाषा में ऐसा शब्द नहीं है जो नॉन-डायलेक्टिकल हो, द्वंद्वात्मक न हो। मनुष्य ने जो भाषा बनाई है, वह मन से बनाई है। मन द्वंद्व है। इसलिए मनुष्य जो भी भाषा बनाता है, उसमें विपरीत शब्दों में भाषा को निर्मित करता है।

मजे की बात है कि हमारी भाषा बन ही नहीं सकती विपरीत के बिना। क्योंकि बिना विपरीत के हम परिभाषा नहीं कर सकते। अगर कोई आपसे पूछे कि अंधेरा यानी क्या? तो आप कहते हैं, जो प्रकाश नहीं है। कोई पूछे, प्रकाश क्या? तो आप कहते हैं, जो अंधेरा नहीं है। न आपको अंधेरे का पता है कि क्या है, न प्रकाश का पता है कि क्या है? अंधेरे को जब पूछते हैं, तो कह देते हैं, प्रकाश नहीं है। जब पूछते हैं, प्रकाश क्या है? तो कह देते है, अंधेरा नहीं है। यह कोई परिभाषा हुई? परिभाषा तो तभी हो सकती है, जब कम से कम एक का तो पता हो!

एक आदमी एक अजनबी गांव में गया। उसने पूछा कि %अ% नाम का आदमी कहां रहता है? तो लोगों ने कहा, %ब% नाम के आदमी के पड़ोस में। पर उसने कहा, मुझे %ब% का भी कोई पता नहीं, %ब% कहां रहता है? उन्होंने कहा, %अ% के पड़ोस में। ऐसे ही आदमी से पूछो, चेतना क्या है? वह कहता है, जो पदार्थ नहीं है। उससे पूछो, पदार्थ क्या है? वह कहता है, जो चेतना नहीं। माइंड क्या है? मैटर नहीं। मैटर क्या है? माइंड नहीं। बड़े से बड़ा दार्शनिक भी इसको परिभाषा कहता है। यह डेफिनिशन हुई? यह तो धोखा हुआ, डिसेप्शन हुआ- परिभाषा न हुई। क्योंकि इसमें से एक का भी पता नहीं है।

आदमी को कुछ भी पता नहीं है, लेकिन काम तो चलाना पड़ेगा। इसलिए आदमी बेईमान शब्दों को रखकर काम चलाता है। उसके सब शब्द डिसेप्टिव हैं। उसके किसी शब्द में कोई भी अर्थ नहीं है। क्योंकि अपने शब्द में वह जिस शब्द से अर्थ बताता है, उस शब्द में भी उसको कोई अर्थ पता नहीं है। उसकी सब परिभाषाएं सर्कुलर हैं, वर्तुलाकार हैं। वह कहता है, बाएं यानी क्या? वह कहता है, जो दाएं नहीं है। और दाएं? वह कहता है, जो बाएं नहीं है। लेकिन इनमें से किसी को पता है कि बायां क्या है?

यह आदमी की भाषा डायलेक्टिकल है। डायलेक्टिकल का मतलब यह कि जब आप पूछें %अ% क्या, तो वह %ब% की बात करता है। जब पूछें %ब% क्या, तो वह %अ% की बात करने लगता है। इससे भ्रम पैदा होता है कि सब पता है। पता कुछ भी नहीं है, सिर्फ शब्द पता हैं। लेकिन बिना शब्दों के काम नहीं चल सकता। राग है तो विराग है। लेकिन तीसरा शब्द कहां से लाएं? और तीसरा शब्द ही सत्य है। वह कहां से लाएं?

'एनिमल' ने उड़ाया गर्दा, पार किया 500 करोड़ का आंकड़ा

'दंगल', 'जवान' और 'पठान' को चटाई धूल

रणबीर कपूर की 'एनिमल' ने बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ा दिया है। तीसरे हफ्ते भी फिल्म का जबरदस्त क्रेज देखने के लिए मिल रहा है। इसने 500 करोड़ का आंकड़ा पार कर इतिहास रच दिया है।

रणबीर कपूर की 'एनिमल' की दहाड़ बॉक्स ऑफिस पर थमने का नाम नहीं ले रही है। जहां दूसरे हफ्ते फिल्म के कलेक्शन में भारी गिरावट देखने के लिए मिली थी। वहीं, अब तीसरे हफ्ते फिल्म के कलेक्शन में उछाल दर्ज की गई है। 17वें दिन फिल्म ने शानदार कलेक्शन कर 'पठान', 'जवान' और 'दंगल' का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। साथ ही फिल्म ने भारत में कमाई का आंकड़ा 500 करोड़ पार कर लिया है। ऐसे में चलिए जानते हैं 'एनिमल' ने 17वें दिन कितना बिजनेस किया और वर्ल्डवाइड इसका क्या हाल है।

सैकनिल्क की रिपोर्ट की मानें तो शुरुआती आंकड़ों में बताया जा रहा है कि 17वें दिन यानी कि तीसरे रविवार को 'एनिमल' ने बॉक्स ऑफिस पर 15 करोड़ का बिजनेस किया है। इसके बाद इंडिया में फिल्म का टोटल कलेक्शन 512.94 करोड़ पहुंच गया है। 17वें दिन कमाई के बाद फिल्म वर्ल्डवाइड कलेक्शन 830 करोड़ तक पहुंच गया है। इससे एक बात का अंदाजा तो लगाया जा सकता है कि फिल्म को लेकर अभी तक दर्शकों क्रेज कम नहीं हुआ है। हालांकि, माना जा रहा है कि मूवी की कमाई में चौथे हफ्ते भारी गिरावट हो सकती है। क्योंकि दो बड़ी फिल्में 'डंकी' और 'सालार' रिलीज हो रही हैं। इनकी रिलीज से 'एनिमल' की कमाई प्रभावित हो सकती है।

'एनिमल' ने 'पठान', 'जवान' और 'दंगल' को चटाई धूल

इसके साथ ही 'एनिमल' ने केवल भारत में 500 करोड़ का आंकड़ा ही नहीं पार किया है बल्कि 17वें दिन की कमाई के मामले में इसने 'पठान', 'जवान' और 'दंगल' तक को पीछे छोड़ दिया है। 'एनिमल' के अलावा बाकी फिल्मों के 17वें दिन के कलेक्शन पर नजर डालें तो 'दंगल' 13.68 करोड़, 'जवान' ने 11.5 करोड़ और 'पठान' ने 5.75 करोड़ की कमाई की थी। ऐसे में अगर इन आंकड़ों की तुलना संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म के आंकड़ों से की जाए तो ये इससे काफी कम हैं।

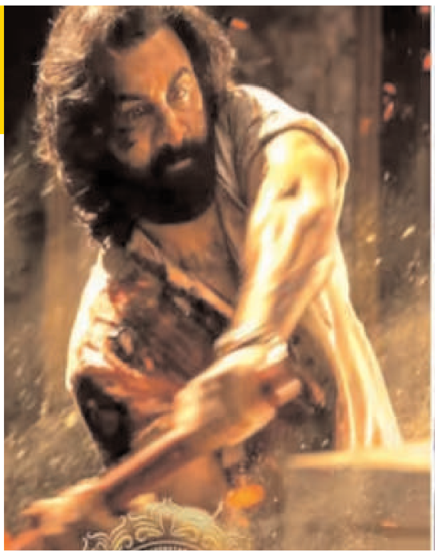

केएल राहुल ने बनाया था खास प्लान... पर अर्शदीप-आवेश ने लगा दी अफ्रीका की लंका

भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका को उसी के घर में वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में बुरी तरह हराया है. इस सीरीज में कप्तानी संभाल रहे केएल राहुल ने पहले मुकाबले में साउथ अफ्रीका को ढेर करने के लिए एक खास प्लान बनाया था, लेकिन तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और आवेश खान अलग ही रंग में दिखे.

भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला रविवार (17 दिसंबर) को जोहानिसबर्ग में खेला गया, जिसमें भारतीय टीम ने 16.4 ओवर में ही 8 विकेट से जीत दर्ज की है. इस तरह सीरीज में भारतीय टीम ने 1-0 की बढ़त बना ली है.

भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका को उसी के घर में वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में बुरी तरह हराया है. इस सीरीज में कप्तानी संभाल रहे केएल राहुल ने पहले मुकाबले में साउथ अफ्रीका को ढेर करने के लिए एक खास प्लान बनाया था, लेकिन तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और आवेश खान अलग ही रंग में दिखे.

%जो मैंने सोचा था यह बिल्कुल ही उल्टा रहा है%

अर्शदीप और आवेश ने राहुल के प्लान के खिलाफ जाकर पूरी बाजी ही पलट दी और साउथ अफ्रीका की लंका लगा दी. इस बात का खुलासा खुद कप्तान राहुल ने किया है. उन्होंने मैच के बाद बताया कि उन्होंने स्पिनर को जल्दी गेंदबाजी पर लगाने का प्लान बनाया था. मगर तेज गेंदबाजों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए मामला ही अलग कर दिया.

मैच जीतने के बाद केएल राहुल ने कहा, %मैं खुश हूं. मैच को अंडर द बेल्ट जीतना अच्छी बात रही है. जो मैंने सोचा था यह बिल्कुल ही उल्टा रहा है. प्लान था कि स्पिनर को जल्दी गेंदबाजी कराएंगे. मगर लड़कों (तेज गेंदबाजों) ने शानदार प्रदर्शन किया. बॉल काफी घूम रही थी. खूब क्रिकेट खेला जा रहा है. एक फॉर्मेट को प्राथमिकता देने अच्छी बात है. फिलहाल यह टेस्ट और टी20. हर कोई अच्छा प्रदर्शन कर रहा है.%

इस तरह अर्शदीप-आवेश ने अफ्रीका को हराया

बता दें कि मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया. मगर भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और आवेश खान ने अफ्रीकी टीम का यह फैसला गलत साबित कर दिया. अर्शदीप ने 10 ओवर में 37 रन देकर 5 विकेट झटके. जबकि आवेश ने 8 ओवर में 27 रन देकर 4 विकेट लिए.

यही कारण था कि कप्तान केएल राहुल अफ्रीकी पारी के 23वें ओवर में स्पिनर को लाए थे. यह ओवर कुलदीप यादव से कराया. उन्होंने मैच में सिर्फ 1 विकेट लिया. अर्शदीप और आवेश के आगे अफ्रीकी टीम 27.3 ओवरों में 116 रनों पर ही ढेर हो गई.

इसके बाद 117 रनों के टारगेट को भारतीय टीम ने 2 विकेट गंवाकर 16.4 ओवर में ही हासिल कर लिया. डेब्यू मैच खेल रहे साई सुदर्शन ने सबसे ज्यादा नाबाद 55 रन बनाए. जबकि श्रेयस अय्यर 52 रन बनाकर आउट हुए. इस तरह भारतीय टीम ने 3 मैचों की इस वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है.

RESIDENTIAL PLOTS
FOR SALE

SATGURU NAGAR
INDORE - KHANDWA ROAD

तुरन्त रजिस्ट्री। तुरन्त पजेशन

PLOT SIZE:-
12*50 = 600, SQFT
15*40= 600SQFT
15*50= 750SQFT
20*50= 1000 SQFT

1111/- SQFT
Book an appointment now:
8889066688, 9109639404

WWW.GATEWAYGHAR.IN

अब भी बड़ी भूमिका में हैं हम, इंदौर में पीएम मोदी की विकसित भारत संकल्प यात्रा में बोले कैलाश विजयवर्गीय

इंदौर । देशभर में बीजेपी विजय संकल्प यात्रा निकाली जा रही है। इसका उद्देश्य देश की जनता की जागरुकता बढ़ाना और कमजोर आबादी तक कल्याणकारी योजना के लाभ पहुंचाने की सुविधा प्रदान करना है। इसके चलते ही इंदौर से भी एक यात्रा निकाली गई जिसमें शामिल होने कैलाश विजयवर्गीय पहुंचे है।

इंदौर: देश में पीएम मोदी ने सरकार की तरफ से चलाई जा रही योजनाओं के बारे में बताने, इनके लाभार्थियों से बात करने के लिए बीजेपी ने विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली है। इसका एक कार्यक्रम इंदौर में भी हुआ। इसमें शामिल होने के लिए इंदौर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 1 से विधायक विजयवर्गीय शामिल हुए।

बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव और इंदौर विधानसभा क्रमांक 01 से विधायक कैलाश विजयवर्गीय ने इंदौर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए विकसित भारत संकल्प यात्रा को लेकर कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को दुनिया का सबसे ताकतवर देश बनाने का संकल्प लिया था, उसी क्रम में यह यात्रा निकाली जा रही है।

असली मुद्दे से ध्यान भटकाने की थी कोशिश

वहीं, संसद भवन की सुरक्षा में सेंधमारी की घटना को लेकर कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि विपक्ष ने एक छोटे मुद्दे को बहुत बड़ा बना दिया। जबकि उससे बड़ा मुद्दा तो ये था कि कांग्रेस के सांसद के घर से 400 करोड़ रुपए की बेनामी संपत्ति मिली है। उसका जवाब तो किसी ने दिया नहीं और वह केस दब जाए इसलिए संसद की सुरक्षा के विषय को जबरदस्ती इतना बड़ा मुद्दा बनाया जा रहा है।

प्रदेश में अपनी भूमिका को लेकर बोली बड़ी बात

कैलाश विजयवर्गीय विधानसभा चुनाव जीतने के साथ ही सीएम बनने के दावेदारों में से एक थे लेकिन वे सीएम नहीं बन पाए। वहीं, दिल्ली से लौटने के बाद कहा जा रहा है कि उनको बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। इसके साथ ही एमपी में अपनी भूमिका को लेकर कैलाश ने कहा कि अब भी बड़ी भूमिका में है हम। राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने मंत्रिमंडल के गठन को लेकर 17 दिसंबर को तय होने की बात कही।

शिवराज को नड्डा ने बुलाया, नई जिम्मेदारी संभव-रिजल्ट के बाद पहली बार दिल्ली जाएंगे; कहा था- मांगने जाने से बेहतर मरना समझूंगा

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मंगलवार सुबह दिल्ली जाएंगे। वे दोपहर 12 बजे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात करेंगे। चुनाव रिजल्ट के बाद शिवराज का यह पहला दिल्ली दौरा होगा।

शिवराज ने सोमवार को विधानसभा में शपथ लेने के बाद मीडिया से बातचीत में कहा था कि वे आज शाम दिल्ली जा रहे हैं। बाद में उनके कार्यालय से दिल्ली जाने के कार्यक्रम में बदलाव की जानकारी दी गई।

पिछले दिनों नड्डा ने शिवराज की नई भूमिका को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा था, %हम इनके कद के अनुसार काम देंगे। इनके अनुभव का अच्छे तरीके से उपयोग करेंगे।

माना जा रहा है कि पार्टी ने शिवराज की नई भूमिका तय कर ली है। नड्डा उनसे इसी बारे में चर्चा करेंगे।

नपा अमले ने मीट मटन दुकान संचालकों को दी हिदायत-बोले- खुले में ना बेचें, नियमों का पालन करें

रायसेन में नियमों का पालन न करने और अवैध रूप से संचालित होने वाली मीट मटन की दुकानों पर सोमवार को नगर पालिका के अमले ने कलेक्टर के निर्देश पर कार्रवाई की। गंज बाजार भोपाल मार्ग बस स्टैंड के पास संचालित होने वाली मीट मटन की दुकानों पर पहुंच कर नपा अमले ने दुकानदारों को हिदायत दी कि नियमों का पालन करे खुले में मीट मटन ना बेचें।

बता दें कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के आदेश पर जिला प्रशासन द्वारा शहर में संचालित होने वाली सभी मीट मटन की दुकानों को व्यवस्थित करने और खुले में ना बेचने को लेकर दो दिन पहले ही रूपरेखा बनाई गई थी। सोमवार को इन दुकान संचालकों को नियम का पालन करने नपा के अमले ने पहुंचकर सक्ति के साथ हिदायत दी।

मध्य प्रदेश कांग्रेस की कमान

जीतू पटवारी के हाथों में

विधानसभा चुनाव की हार के बाद कमलनाथ पर गिरी गाज

वॉइस ऑफ झाबुआ शाहिद जैनब

मध्यप्रदेश कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव में हार से बाद कांग्रेस ने संगठन में बड़ा बदलाव किया है। प्रदेश अध्यक्ष पद से कमलनाथ को हटा दिया गया है। कमलनाथ की जगह राहुल गांधी के करीबी जीतू पटवारी को एमपी कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं, कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में नेता प्रतिपक्ष और उपनेता की भी नियुक्ति कर दी है। गंधवानी से विधायक उमंग सिंघार को नेता प्रतिपक्ष बनाया गया है। वहीं, भिंड विधानसभा सीट से विधायक हेमंत कटारे को उपनेता प्रतिपक्ष बनाया गया है।जीतू पटवारी इस बार राऊ विधानसभा सीट से अपना चुनाव हार गए हैं। जीतू पटवारी को प्रदेश अध्यक्ष घोषित कर कांग्रेस ने युवा मतदाताओ को साधने की कोशिश की है। जीतू पटवारी की छवि राज्य के तेज तर्रार नेताओं में होती है। बड़ी बात ये है कि जीतू पटवारी, दिग्विजय सिंह और कमलनाथ खेमे के नहीं है।

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को फिर से जिंदा करना सबसे बड़ी चुनौती है।

राहुल गांधी के करीबी होने का फायदा मिला पटवारी को

जीतू पटवारी कांग्रेस के उन चुनिंदा नेताओं में से एक हैं, जिनकी पहुंच सीधे राहुल गांधी तक है। यही वजह रही कि कमलनाथ खेमे के ना होकर भी जीतू पटवारी प्रदेश अध्यक्ष बन गए । वे कमलनाथ सरकार में उच्च शिक्षा मंत्री के साथ पार्टी के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष भी रहे। विधानसभा के बहिष्कार से लेकर कई अन्य मसलों पर कमलनाथ और जीतू के मतभेद चर्चा में रहे। हालांकि पटवारी ने हमेशा कमलनाथ को सार्वजनिक रूप से अपना नेता बताया। 2023 विधानसभा चुनाव में उन्हें भावी मुख्यमंत्री भी बताया था।

कांग्रेस ने क्यों जताया जीतू,उमंग व हेमंत पर भरोसा

जीतू पटवारी ओबीसी, उमंग सिंघार आदिवासी चेहरा हैं और हेमंत कटारे ब्राह्मण चेहरा हैं। कांग्रेस ने भाजपा की तरह जातिगत समीकरण को साधने की कोशिश की है। बीजेपी ने ओबीसी सीएम, डिप्टी सीएम के तौर पर एससी और ब्राह्मण चेहरा प्रोजेक्ट किया है। तीनों की उम्र 50 साल से नीचे है। कांग्रेस ने यह भी संदेश देने की कोशिश की है कि युवा चेहरों के पास लीडरशिप है। कांग्रेस का ये फार्मूला भविष्य के लिए है। कांग्रेस के तीनों चेहरे भाजपा की लीडरशिप से ज्यादा यंग है। भाजपा ने पुराने चेहरों को हटाकर जिस तरह से नए चेहरों को मौका दिया है, कांग्रेस ने उसका जवाब देने की कोशिश की है। ये भी बता दिया है कि उसके पास भी कमलनाथ और दिग्विजय के अलावा दूसरे ऐसे चेहरे भी हैं, जिन पर हाईकमान को भरोसा है।

जीतू पटवारी ने दिया कांग्रेस आला कमान को धन्यवाद

नई जिम्मेदारी मिलने पर जीतू पटवारी ने राहुल गांधी और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा- मध्यप्रदेश के कांग्रेस नेताओं और युवाओं के सहयोग से ही मेरे जैसे छोटे से कार्यकर्ता को बड़ी जिम्मेदारी मिली है। आने वाले समय में कांग्रेस के विचार को कैसे सामूहिक नेतृत्व के साथ घर-घर पहुंचाना है, मैं इस भावना को जानता हूं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)